महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

धर्मनिरपेक्षता ने सिखाई सहिष्णुता व उदारता- कुलपति विभूति नारायण राय

'धर्मनिरपेक्षता और भारतीय समाज' विषय पर मानवविज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान

वर्धा दि. 5 नवंबर 2012: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय ने 'धर्मनिरपेक्षता और भारतीय समाज' विषय पर आयोजित व्याख्यान में कहा है कि धर्मनिरपेक्षता ने हमें सहिष्णुता और उदारता सिखाई है और इसने लोकतंत्र को भी ताकत प्रदान की है।

यह बात उन्होंने विश्वविद्यालय के मानवविज्ञान विभाग में आयोजित एक विशेष व्याख्यान के दौरान कही। धर्मनिरपेक्षता और साम्प्रदायिकता की विस्तार से व्याख्या करते हुए कुलपति राय ने कहा कि साम्प्रदायिकता को समझे बगैर धर्मनिरपेक्षता को नहीं समझा जा सकता। मूलत: यह अवधारणा पश्चिम की है, अलग:अलग संस्कृतियों ने इसे स्वीकृत किया है। भारत में इस शब्द के साथ आस्था भी जुड़ गयी है। महात्मा

गांधी इस आस्था के बहुत बड़े उदाहरण के रूप में हमारे सामने हैं। उनका कहना था कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में धर्मनिरपेक्षता और आज़ादी का प्रगाढ़ रिश्ता रहा है और यही वजह है कि हमने आज़ाद होते ही धर्मनिरपेक्षता को स्वीकार किया है। उन्होंने माना कि कोई भी राष्ट्र धर्म के आधार पर मजबूत नहीं रह सकता। धर्मनिरपेक्ष होकर हमने अपने राष्ट्र और लोगों का भला किया है, इससे हमारे वंचित तबके के लोगों को विशेष सुविधाएं मिली हैं और उन्हें आगे आने का मौका मिला है।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक मानव विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. फरहद मलिक ने किया तथा संचालन व धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक प्रोफेसर वीरेन्द्र यादव ने किया। इस अवसर पर अध्यापक, छात्र-छात्राएं तथा शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बी. एस. मिरगे,

जनसंपर्क अधिकारी